कोंपल

(भाग-1)

तीसरी कक्षा की हिंदी की पाठ्यपुस्तक

(राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा विकसित)
बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

निदेशक (प्राथमिक शिक्षा), शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त।

सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत पाठ्य-पुस्तकों का निःशुल्क वितरण।
क्रय-विक्रय दण्डनीय अपराध ।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

सर्व शिक्षा अभियान : 2013-2014 - 30,33,610

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पाठ्य-पुस्तक भवन, बुद्धमार्ग-1द्वारा प्रकाशित तथा आकाश गंगा प्रेस, बिरला मंदिर रोड, पटना-4 द्वारा एच. पी. सी. के 70 जी. एस. एम. क्रीम वोभ टेक्स्ट पेपर (वाटर मार्क) तथा एच. पी. सी. के 130 जी. एस. एम. ह्वाईट (वाटर मार्क) आवरण पेपर कुल 09,09,443 प्रतियाँ, 27.9 x 20.5 सेमी. साइज में मुद्रित ।

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार अप्रैल, 2009 से प्रथम चरण में राज्य के कक्षा IX हेतु नए पाठ्यक्रम को लागू किया गया। इस क्रम में शैक्षिक सत्र 2010-11 के लिए वर्ग I, III, VI एवं X की सभी भाषायी एवं गैर भाषायी पाठ्य-पुस्तकें नए पाठ्यक्रम के अनुरूप लागू की गयीं। इस नए पाठ्यक्रम के आलोक में एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा विकसित वर्ग X की गणित एवं विज्ञान तथा एस.सी.ई.आर.टी., बिहार, पटना द्वारा विकसित वर्ग I, III, VI एवं X की सभी अन्य भाषायी एवं गैर भाषायी पुस्तकें बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक निगम द्वारा आवरण चित्रण कर मुद्रित की गयीं। इस सिलसिले की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए शैक्षिक सत्र 2011-12 के लिए वर्ग-II, IV एवं VII तथा शैक्षिक सत्र 2012-13 के लिए वर्ग V एवं VIII की नई पाठ्य-पुस्तकें बिहार राज्य के छात्र / छात्राओं के लिए उपलब्ध करायी गयीं। साथ-ही-साथ वर्ग I से VIII तक की पुस्तकों का नया परिमार्जित रूप भी शैक्षिक सत्र 2013-14 के लिए एस.सी.ई.आर.टी., बिहार, पटना के सौजन्य से प्रस्तुत किया जा रहा है।

बिहार राज्य में विद्यालयीय शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, श्री नीतीश कुमार, शिक्षा मंत्री, श्री पी. के. शाही एवं शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, श्री अमरजीत सिन्हा के मार्ग दर्शन के प्रति हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली तथा एस.सी.ई.आर.टी., बिहार, पटना के निदेशक के भी हम आभारी हैं जिन्होंने अपना सहयोग प्रदान किया।

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सदैव स्वागत करेगा, जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा जगत में उच्चतम स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सहायक सिद्ध हो सके।

जे. के. पी. सिंह, भा.रे.का.से.
प्रबन्ध निदेशक
बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम लि०

दिशा बोध-सह-पाठ्यपुस्तक विकास समन्वय समिति

- **श्री राहुल सिंह,** राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **श्री रामशरणागत सिंह,** संयुक्त निदेशक, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, विशेष कार्य पदाधिकारी बी. एस. टी. बी. पी. सी., पटना
- **श्री अमित कुमार,** सहायक निदेशक, प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, बिहार सरकार
- **डॉ. श्वेता सांडिल्य** शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ, पटना
- **श्री हसन वारिस**, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **श्री मधुसूदन पासवान,** कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना
- **डॉ. एस.ए. मुईन,** विभागाध्यक्ष, एस.सी.ई.आर.टी., पटना
- **डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी,** प्राचार्य मैत्रेय कॉलेज आर्फ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

पाठ्य-पुस्तक विकास समिति

विषय विशेषज्ञ

डॉ0 उषा शर्मा — एसोसिएट प्रोफेसर, एन० सी० ई० आर० टी०, नई दिल्ली

श्रीमती मालविका राय — शिक्षाशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

लेखक सदस्य

श्री मनीष रंजन, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय मित्तनचक मुसहरी, सम्पतचक, पटना

श्री आदित्य नाथ ठाकुर, सहायक शिक्षक, रा० माउंट एवरेस्ट मध्य विद्यालय, कंकड़बाग, पटना

श्री अजय कुमार, सहायक शिक्षक, मध्य विद्यालय गोरखरी, बिक्रम, पटना

श्री मनीष कुमार राय, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, कनवा पारा, कसबा, पूर्णिया

समन्वयक

डा0 इम्तियाज आलम — व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना

डा0 अर्चना — व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना

समीक्षक

डॉ0 कलानाथ मिश्र — एसोसिएट प्रोफेसर, ए० एन० कॉलेज, पटना ।

डॉ0 किरण शरण — प्राचार्या, राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पटना सिटी ।

आरेखन एवं चित्रांकन

श्री सदानन्द सिंह, धंधुआ, वैशाली

आभार : यूनिसेफ, बिहार

आमुख

यह पाठ्यपुस्तक 'राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005' एवं 'बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2008' के आलोक में विकसित नवीन पाठ्यक्रम के आधार पर पिछले वर्ष (2009) में तैयार की गई पाठ्यपुस्तक कलिका, भाग-3 का संशोधित एवं परिवर्द्धित रूप है। इस पुस्तक के विकास में इस बात का ध्यान रखा गया है कि "शिक्षा का मतलब बिहार के स्कूली शिक्षार्थियों को इतना सक्षम बना देना है कि वे अपने जीवन का सही-सही अर्थ समझ सके, अपनी समस्त योग्यताओं का समुचित विकास कर सकें,अपने जीवन का मकसद तय कर सकें और उसे प्राप्त करने हेतु यथासंभव सार्थक एवं प्रभावी प्रयास कर सकें और साथ ही साथ इस बात को भी समझ सकें, कि समाज के दूसरे व्यक्ति को भी ऐसा ही करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।" राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2008 हमें बताती है कि शिक्षार्थी के स्कूली जीवन और स्कूल के बाहर के जीवन में अंतराल नहीं होना चाहिए। पुस्तक और पुस्तक से बाहर की दुनिया आपस में गुँथी होनी चाहिए। आशा है कि यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था की दिशा में काफी दूर तक ले जाएगा।

इस पुस्तक में बच्चों की कल्पनाशक्ति के विकास, उनकी गतिविधियों की सृजनशीलता, उनके सवाल करने और उनका उत्तर पाने के मौलिक अधिकार के समुचित संरक्षण और उसे रचनात्मक दिशा देने की कोशिश की गई है। हर पाठ के साथ अनेक तरह के अभ्यास हैं जिनसे शिक्षार्थियों की पाठ पर पकड़ तो बनेगी ही, साथ ही साथ उनके भीतर जिज्ञासा को प्रोत्साहन मिलेगा। पुस्तक की परिकल्पना में अनेक महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखा गया है। ऐसा प्रयत्न किया गया है कि पाठ बोझिल न हों तथा सामयिक जीवन संदर्भों से जुड़कर बच्चों के लिए रोचक बन जाएँ ताकि बच्चे उत्सुकता और आनंद के साथ तनावमुक्त रीति से उन्हें पढ़ते हुए बहुविध जानकारी प्राप्त कर सकें और उस जानकारी का ज्ञान के सृजन में उपयोग कर सकें।

हिन्दी पाठ्यपुस्तक के विकास हेतु राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना ने विभागीय पदाधिकारियों, संकाय सदस्यों, विषय विशेषज्ञों, भाषा विशेषज्ञों एवं प्रारंभिक शिक्षकों की विभिन्न कार्यशालाएँ आयोजित की। इसमें राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली), राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् (एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार), विद्या भवन सोसाइटी (उदयपुर, राजस्थान), एकलव्य (भोपाल), राजस्थान, हरियाणा एवं छत्तीसगढ़ की प्रारंभिक कक्षा की पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य महत्वपूर्ण प्रकाशनों से प्रकाशित पुस्तकों का अध्ययन कर राज्य के प्रारंभिक स्तर के शिक्षक समूह द्वारा पुस्तक की पाण्डुलिपि तैयार की गई। परिषद्, इन सबके प्रति आभार प्रकट करती है। विकसित पुस्तक के प्रारूप पर शिक्षकों द्वारा दिए गए सुझावों के आलोक में विषय विशेषज्ञों एवं शिक्षाविदों द्वारा समीक्षोपरान्त पुस्तक परिष्कृत स्वरूप में प्रस्तुत है।

इस कड़ी में वर्ग-1 से 8 तक की पुस्तकों को तीन सीरीज में रखा गया है-

(क) अंकुर (भाग-1 एवं 2) क्रमशः वर्ग-1 एवं 2 के लिए।

(ख) कोंपल (भाग-1, 2 एवं 3) क्रमशः वर्ग-3, 4 एवं 5 के लिए।

(ग) किसलय (भाग-1, 2 एवं 3) क्रमशः वर्ग-6, 7 एवं 8 के लिए।

पाठ्यपुस्तक के विकास में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सम्बद्ध शिक्षकों, विषय विशेषज्ञों, सुप्रसिद्ध साहित्यकारों जिनकी रचनायें इस पुस्तक में शामिल की गई है, उनके प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट करते हैं।

हसन वारिस

निदेशक,

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना

पाठ-सूची

क्र.सं.	पाठ का नाम		पृष्ठ संख्या
1.	प्रार्थना	(कविता)	1
2.	प्रतीक्षा	(प्रेरक-प्रसंग)	5
3.	मेरा गाँव	(कविता)	10
4.	बब्बन बंदर	(कहानी)	13
5.	खूब मजे हैं मौसम के	(कविता)	18
6.	जंगल में सभा	(खुली कहानी)	21
7.	फुलवारी	(कविता)	24
8.	रक्षाबंधन	(कहानी)	28
9.	तिरंगा	(कविता)	33
10.	कौवा और साँप	(कहानी)	37
11.	उल्टा-पुल्टा	(कविता)	45
12.	गाँधीजी की कहानी-चित्रों की जुबानी	(चित्र-शृंखला)	48
13.	राजगीर	(पत्र)	55
14.	दीप जले	(कविता)	60
15.	साहसी इंदिरा	(बाल्य जीवन-चित्र)	64
16.	गंगा नदी	(कविता)	70
17.	बैलगाड़ी का दाम	(कहानी)	74
18.	हम सब	(कविता)	80
19.	कुत्ते की कहानी	(कहानी)	84
20.	खेल-खेल में	(वार्त्ता)	91